## लाभ

- प्रतिरोधक के रुप में कार्य करता है और मृदा पीएच को स्थिर रखता है ।
- मृदा जैव कार्बन, मृदा जैव पदार्थ, उपलब्ध एन.पी.के.और सूक्ष्म पोषक तत्वों को बढ़ाता है ।
- मृदा में सूक्ष्माणु जीवभार और जैव कार्बन को बढ़ाता है जो मृदा उर्वरता और स्वास्थ्य का सूचक है ।
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण और लवणीकरण को बढ़ाता है ।
- मृदा सांद्रता और जलधारण क्षमता को बढ़ाता है ।
- स्थूल एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के पोषण की कमियों को दूर करता है ।
- शहतूत पौधों की वृद्धि सुनिश्चित करता है ।
- पत्ती की उपज 14% तक बढ़ती है ।
- कोसा वजन, कोसा कवच वजन और रेशम प्रतिशतता को बढ़ाता है ।
- 'अंकुर' लागत प्रभावी एवं पारि–अनुकूल प्रौद्योगिकी है ।

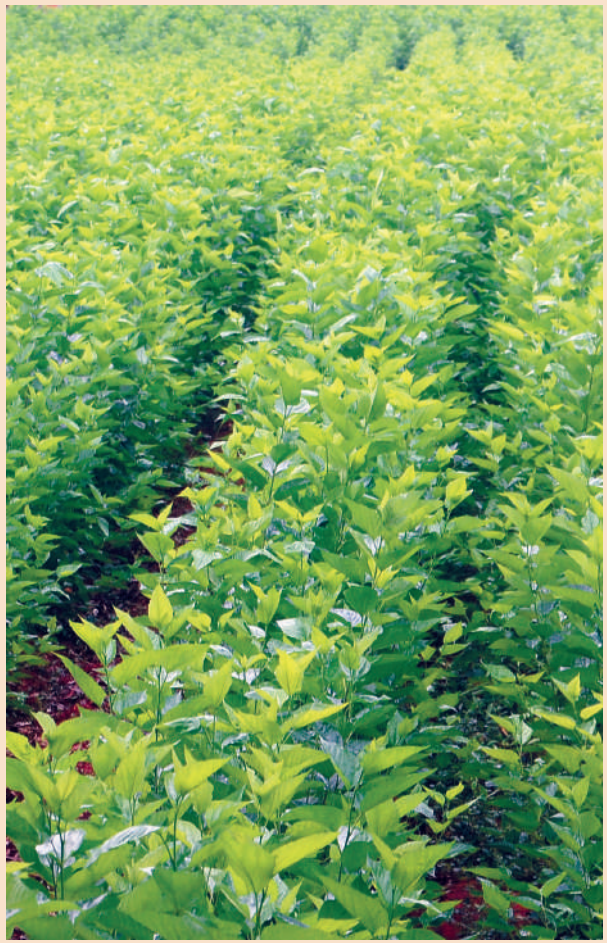

प्रस्तुति
डॉ.वी. शिवप्रसाद, एम.एम. रेड्डी, वी. शोभना,
एस. सेन, ई. भुवनेश्वरी एवं वै. तिरुपत्तय्या

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें:

निदेशक
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु - 570 008
दूरभाष : 0821-2362845 फैक्स : 0821-2362845
वेबसाइट : www.csrtimys.res.in
ईमेल : csrtimys.csb@nic.in

# अंकुर

मृदा उर्वरता एवं मृदा स्वास्थ्य के लिए पोषक अनुपूरक आहार

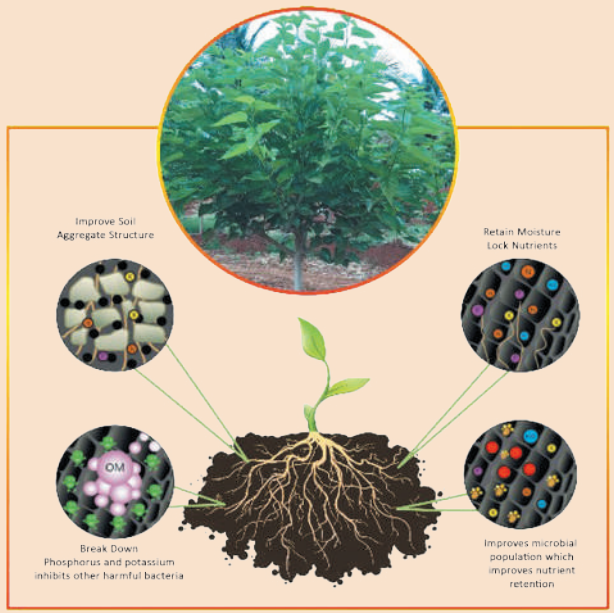


केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
(आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित)
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु – 570 008

Copies: 1000 January 2019 Design & Layout: J. Justin Kumar

## मृदा उर्वरता एवं मृदा स्वास्थ्य के लिए पोषक अनुपूरक आहार

शहतूत एक बहुवर्षी पौधा है जो बड़ी मात्रा में जैव भार उत्पादित करता है । शहतूत रेशम उत्पादन में पत्ती की गुणवत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है और यह मृदा में विद्यमान पोषक तत्वों की उपलब्धता पर निर्भर है । उच्च उत्पादन तकनीक को अपनाने तथा उच्च उत्पादक उपजातियों की पैदवार करने के कारण मृदा के पोषक तत्वों में कमी होती है और मृदा में असंतुलन पैदा होता है । अतः दीर्घकालीन उत्पादन बनाए रखने तथा गुणवत्तावाली पत्तियों के उत्पादन हेतु पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की आपूर्ति करना अनिवार्य है । मृदा में केवल उर्वरकों के माध्यम से मृदा के पोषक तत्वों को बढ़ाने पर पर्याप्त पोषक तत्व डालने के बावजूद उत्पादकता कम होती है । द्वितीय एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों में कमी होने के परिणामस्वरुप उत्पादकता घटती है ।

इसके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों के दीर्घकालीन उपयोग से मृदा की भौतिक स्थिति खराब होती है । इसके परिणामस्वरुप मृदा में जैव पदार्थ कम होता है और मृदा संरचना की गुणवत्ता विपरीत रुप से प्रभावित होती है । इसके कारण शहतूत पत्ती की उत्पादकता कम होती है, इन कमियों को दूर करने हेतु जैव एवं अजैव स्रोतों के जरिए संतुलित पोषण बनाए रखते हुए पत्ती–गुणवत्ता एवं मृदा उर्वरता बनाए रखना अनिवार्य है ।

शहतूत में पोषण प्रबंधन हेतु कई पत्ती पोषण अनुपूरक उपलब्ध हैं लेकिन जैव एवं अजैव पोषकों से युक्त पोषक अनुपूरक उपलब्ध नहीं हैं । मृदा को जैव एवं अजैव मिश्रणों से युक्त कर शहतूत उत्पादकता बढ़ायी जा सकती है ।

"अंकुर" मृदा उर्वरता और स्वास्थ्य को सुधारने तथा शहतूत पत्ती उत्पादन बढ़ाने हेतु सेरिकॉन टेक्नॉलाजीज़ द्वारा विकसित मृदा पोषण अनुपूरक आहार है जो जैव एवं अजैव का सम्मिश्रण है । मृदा गुणधर्मों, पत्ती उपज एवं कोसा उपज पर "अंकुर" के प्रभाव का मूल्यांकन केंरेअप्रसं, मैसूरु में किया गया । अंकुर के अनुप्रयोग में उच्च जैव कार्बन घटक (0.72%), मृदा जैव पदार्थ (1.24%), पत्ती उपज (22860 कि.ग्रा./ए/वर्ष) और कोसा उपज (73 कि.ग्रा./100 रो.मु.बी.च) दर्ज की गई ।

| उपचार | जैव कार्बन (%) | जैव पदार्थ (%) | पत्ती उपज कि ग्रा./ एकड़/वर्ष | कोसा उपज 100 रोमुबीच (कि.ग्रा). |
|---|---|---|---|---|
| अंकुर | 0.72 | 1.24 | 22860 | 72.9 |
| सामान्य | 0.67 | 1.15 | 20054 | 65.5 |

## अनुप्रयोग विधि

- एक एकड़ शहतूत बागान में प्रति फसल के लिए 10 कि.ग्रा. अंकुर मृदा मिश्रण का अनुप्रयोग करें ।
- अंकुर मिश्रण को 100 कि.ग्रा/एकड़/ फसल में सूक्ष्म मिट्टी या गोबरखाद के साथ खूब मिलाएं ताकि क्षेत्र में एक समान अनुप्रयोग किया जा सके ।
- शहतूत पौधों की छंटाई करने के बाद मिश्रण का अनुप्रयोग करें ।
- अंकुर का अनुप्रयोग करने के बाद सिंचाई सुनिश्चित करें ।
- अनुशंसा के अनुसार रासायनिक उर्वरकों तथा खादों का अनुप्रयोग करें ।